परिसर प्रतिबिंब

महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी

परिसर प्रतिबिंब अक्टूबर, , २०१९

कुलपति की कलम से...

शिक्षा एक व्यक्ति को मानव बनाने की अनवरत चलने वाली प्रक्रिया है जो सतत प्रवाहमान रहती है। व्यक्ति में मानवीय मूल्यों का सृजन व विकास, सामाजिक दायित्वों के प्रति चेतनता और राष्ट्रहित के प्रति सजग्र प्रतिबद्धता ही शिक्षा व्यवस्था को पूर्ण आयाम प्रदान करते हैं । शिक्षण संस्थान इन उद्देश्यों को मुख्य ध्येय मानकर शिक्षार्थी को सन्नद्ध करने के लिए अनवरत क्रियाशील रहते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर उनकी कर्मभूमि चंपारण में स्थापित

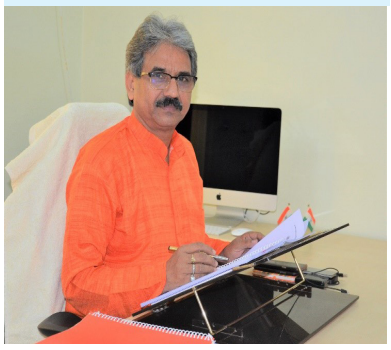

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय बापू के सपनों व आदर्शों को व्यावहारिक पटल पर लाने को कृत संकल्पित व कटिबद्ध है। गांधी जी की 150 वी जयंती वर्ष में विश्वविद्यालय विभिन्न रचनात्मक व नवाचारी गतिविधियों के माध्यम से उनके चिंतन व विचारों को प्रसारित, प्रचारित और प्रदर्शित करने के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय ने अपने स्थापना के बाद के कुछ ही वर्षों में कई प्रतिमान स्थापित किए हैं। नए–नए विभाग व संकाय प्रारंभ किए गए। विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने का कार्य जारी है। एक परिवार की तरह हम सबने कार्य करने की कार्य संस्कृति को अंगीकार करने का प्रयास किया और अनवरत प्रगति पथ पर अग्रसर हैं। महात्मा गांधी जी के 150वीं जयंती वर्ष की विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों को बधाई एवं अनंत मंगलकामनाएं। आइए, हम मिलकर एक श्रेष्ठ कल की आधारशिला को अपनी सामर्थ्य से सशक्त बनाएँ.....

प्रो. संजीव कुमार शर्मा
कुलपति

विश्वविद्यालय में गांधीजी की 150वीं जयंती मनी

प्राणी मात्र के लिए सक्रिय सद्भाव ही अहिंसा पद्मश्री प्रो. रवीन्द्र कुमार

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में गांधी जयंती के अवसर पर 'नूतन परिप्रेक्ष्य में महात्मा गाँधी' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रो. रवीन्द्र कुमार ने कहा कि प्राणी मात्र के लिए सक्रिय सद्भाव ही अहिंसा है। यह समय विशेष पर या क्षणिक समय में व्यवहार करने का विषय नहीं है, जो ऐसा करते हैं उसको संकीर्ण अर्थ में लिया जाता है। गाँधी जी के अनुसार समानता की अनुभूति, इसे स्वीकार करने का साहस और व्यवहार में इसकी अंगकारिता या परिणिति वह वास्तविक और सार्वभौमिक सत्यता है जो जीवन के समस्त क्षेत्रों में और समस्त स्तरों पर सहयोग और सामंजस्य की स्थिति का निर्माण करती है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यकारी कुलपति व हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. कृष्णमुरारि मिश्र ने अपने संबोधन में अपने स्कूली दिनों को याद करते हुए गाँधी मार्ग पर चलने के प्रयासों का जिक्र किया। आगे कहा कि मैं ये मानता हूं कि आज हर भारतीय के दिल में एक गाँधी जिंदा है। महात्मा गाँधी की कर्मभूमि पर उनके नाम से ही विश्वविद्यालय बनने और स्वयं उसका साक्षी होने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। कहा कि गाँधी जी का लक्ष्य था

मुक्ति और वह मुक्ति गाँधी सत्य के मार्ग पर चलकर पाना चाहते थे। गाँधी जी ने जो अपनी आत्मकथा लिखी, दुनिया के इतिहास में ऐसी ईमानदारी से लिखी गयी आत्मकथा बहुत कम मिलती है, जिसमें उन्होंने अपनी तमाम गलतियों को भी स्वीकार किया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में विवि के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने गाँधी जयंती जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर पद्मश्री प्रो.रवीन्द्र कुमार जैसे व्यक्तित्व के विश्वविद्यालय में उपस्थिति पर प्रसन्नता जताई। प्रो. शर्मा ने मंच से उत्साह के साथ यह सूचना दी कि प्रो.रवीन्द्र कुमार गाँधी, पटेल और अम्बेडकर जैसे विचारकों, राजनेताओं और अन्य विषयों पर अपनी लिखी करीब 50 किताबें को विश्वविद्यालय को भेंट करेंगे। गाँधी जी के विचारों के बारे में कहा कि महात्मा गाँधी की विश्व भर से श्रेष्ठ को प्राप्त करने की जो प्रवृत्ति है, वही भारत की मूल भावना है। भारत में विचार को हमेशा महत्वपूर्ण माना जाता है विचारक को नहीं। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर श्यामनन्दन ने किया। मीडिया अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. अरुण भगत ने संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन किया। गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुनील महावर ने स्वागत वक्तव्य दिया। आयोजन समिति के संयोजक और विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. पवनेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। लाइफ साईंस संकाय के अधिष्ठाता प्रो. आनन्द प्रकाश आयोजन समिति के अध्यक्ष थे।

'उपभोक्ता सरंक्षण एवं कल्याण' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 14 एवं 15 अक्टूबर को 'उपभोक्ता सरंक्षण एवं कल्याण' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि इस संगोष्ठी का आयोजन उपभोक्ता अध्ययन केंद्र, आईआईपीए नई दिल्ली के तत्वाधान में किया जा रहा है। इस संगोष्ठी में उपभोक्ता सरंक्षण कल्याण से संबंधित विभिन्न विषयों पर शोध पत्र एवं केस स्टडी का प्रदर्शन किया जाएगा।

कुलपति ने बताया कि इस तरह की संगोष्ठी से शोधार्थी और अध्यापकों को बौद्धिक क्षमता विकसित करने का मौका मिलता है। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. पवनेश कुमार ने बताया कि इस अवसर पर वैश्वीकरण एवं उपभोक्ता सरंक्षण, उपभोक्ता आंदोलन, उपभोक्ता संरक्षण एक्ट 1986, शिक्षा क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र, मीडिया, खाद्य सुरक्षा, डिजिटल इकोनामी, उपभोक्ता शिक्षा आदि विषयों पर व्याख्यान होगा इसके लिए इच्छुक शोधार्थी, अध्यापक 7 अक्टूबर तक अपने रिसर्च पेपर को सबमिट कर सकते हैं। संगोष्ठी के संयोजन की जिम्मेदारी सहायक प्राध्यापक डॉ. दिग्विजय फूकन, राम लाल बगरिया को दी गई है। इस अवसर पर उपभोक्ता संरक्षण एवं कल्याण के क्षेत्र में कार्य कर रहे लोग, अकादमी क्षेत्र के लोग, अनुसंधानकर्ता, विद्यार्थी, सेवा प्रदाता, उद्यमी, एनजीओ और उपभोक्ता फोरम के विभिन्न प्रतिभागी शामिल होने जा रहे हैं और वह अपने आर्टिकल, शोध पत्र, केस स्टडी आदि के माध्यम से उपभोक्ता संरक्षण के विभिन्न मुद्दों पर अपना मंथन करेंगे और उपभोक्ता कल्याण के लिए एक बेहतर परिवेश का निर्माण करेंगे। ज्ञातव्य है कि उपभोक्ता अध्ययन केंद्र, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान उपभोक्ता सरंक्षण कल्याण के क्षेत्र में कार्य करता है तथा यह उपभोक्ता मामले विभाग भारत सरकार का नोडल केंद्र है।

कुलपति ने मानव संसाधन विकास मंत्री से की मुलाकात

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने सोमवार, 16 सितंबर को दिल्ली में मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक से उत्साहजनक माहौल में मुलाकात की और उन्हें विश्वविद्यालय की प्रगति से अवगत कराया। इस दौरान प्रो. शर्मा ने विश्वविद्यालय की जमीन की समस्या से भी उन्हें अवगत कराया। इस पर

उन्होंने राज्य सरकार से मिलकर इस संबंध में समाधान का आश्वासन दिया। प्रो. शर्मा ने इसी वर्ष नवंबर या दिसंबर माह में प्रस्तावित दीक्षांत समारोह की सूचना और महामहिम राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद जी से सैद्धांतिक सहमति मिलने की जानकारी भी दी। इस दौरान विश्वविद्यालय से संबंधित अध्यादेशों पर भी चर्चा हुई और माननीय मंत्री ने जल्द ही इन अध्यादेशों को यूजीसी से अनुमोदित हो जाने का आश्वासन दिया।

मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी

मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा संगोष्ठी 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पत्रकारिता' विषय पर आयोजित हुई। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता एवं भारतीय संस्कृति के संवाहक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन का फलक विस्तृत था। राजनीति में होते हुए भी उनके चिंतन का इतना विस्तार होना उन्हें सामान्य मानव से अलग करता हैं। विषय प्रवर्तन करते हुये मीडिया अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार भगत ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का व्यक्तित्व बहुआयामी था। पंडित जी अर्थचिंतक, श्रेष्ठ वक्ता, कुशल संगठन कर्ता के अलावा श्रेष्ठ लेखक, पत्रकार एवं संपादक जैसे सभी गुणों से परिपूर्ण थे। बतौर विशेषज्ञ वक्ता वरिष्ठ पत्रकार

मणिकांत ठाकुर ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पत्रकारिता का मूल राष्ट्रवादी पत्रकारिता हैं। वह इसके माध्यम से जनमत का निर्माण करना चाहते थे। पंडित जी ने गांधी जी विचारों की पुनर्व्याख्या की। कार्यक्रम के दूसरे विशेषज्ञ वक्ता राजभाषा पत्रिका के पूर्व संपादक डॉ. कुणाल कुमार ने कहा कि पंडित जी को शुचिता वाली भाषा स्वीकार थी न कि क्रूरता वाली भाषा। पत्रिका राष्ट्रधर्म, पांचजन्य एवं समाचार पत्र स्वदेश के माध्यम से समाज को संवारने के जो संकल्प पंडित जी का था वह अद्भुत था।

प्रो. शर्मा ने जमीन की समस्या व अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों की दी जानकारी

स्नातक उत्तीर्ण और परास्नातक में अध्ययनरत छात्राएं कर सकती हैं आवेदन

छात्राओं को मिलेगा मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना का लाभ

योजना के तहत एकमुश्त 25000 रुपये की मिल सकती है राशि

केविवि की स्नातक उत्तीर्ण और परास्नातक में अध्ययनरत छात्राओं को बिहार सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना का लाभ मिलना सुनिश्चित हुआ है। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय की तरफ से अपनी छात्राओं को इस योजना का लाभ दिलाने के लिए बिहार सरकार के वेबसाइट ई–कल्याण पर आवश्यक पंजीकरण कर दिया गया है। उपरोक्त जानकारी अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, डॉ. पवनेश कुमार ने दी। आगे कहा कि इस योजना का लाभ लेने की इच्छुक छात्राएं ई–कल्याण वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा छात्राओं को इस संबंध में अपेक्षित सहयोग दिया जाएगा। इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि भारत को सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए बालकों के साथ–साथ बालिकाओं को विशेष रुप से प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारे विश्वविद्यालय से स्नातक उत्तीर्ण एवं परास्नातक में अध्ययनरत छात्राओं को इस योजना का लाभ मिल सकेगा। इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रति कुलपति प्रो. अनिल कुमार राय ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बिहार की छात्राओं के लिए चलाए जा रहे इस योजना का लाभ विश्वविद्यालय की छात्राओं को मिल सके इसके लिए अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कार्यालय लम्बे समय से प्रयासरत था। ज्ञात हो कि नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर भी विश्वविद्यालय का नाम पंजीकृत है।

विवि के सभी विद्यार्थी अपनी योग्यतानुसार पोर्टल पर उपलब्ध केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न छात्रवृत्तियों के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। इस संबंध में विद्यार्थी अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक और सह अधिष्ठाता, छात्र कल्याण राम लाल बगड़िया से सम्पर्क कर सकते हैं।

गांधी जी के जीवन दर्शन पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में गांधीजी की 150वीं जयंती के आलोक में शुक्रवार को गांधी जी के जीवन दर्शन, कार्य एवं उपलब्धियों पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि केविवि में गांधीजी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न साहित्यिक–सांस्कृतिक, खेल–कूद आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाली इन प्रतियोगिताओं के दूसरे दिन गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के तत्वावधान में सहायक प्रोफेसर डॉ. अम्बिकेश कुमार त्रिपाठी के संयोजन में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुनील महावर, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जुगल किशोर दधिचि एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. अभय विक्रम सिंह ने पूरे आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. पवनेश कुमार ने इस आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि माननीय कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर गांधीजी के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं आदर्शों को विद्यार्थियों के समक्ष रखने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भागीदारी की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को गांधी जयंती के दिन कुलपति जी के हाथों पुरस्कृत किया गया।

डॉ. बीआरए विवि, आगरा के कुलपति ने किया पौधारोपण

उप–कुलसचिव डॉ. ज्वाला प्रसाद, डीएसडब्ल्यू डॉ. पवनेश कुमार व डॉ. शिरीष मिश्रा रहे मौजूद

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के बनकट स्थित भूखंड पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार दीक्षित ने केविवि के उप–कुलसचिव डॉ. ज्वाला प्रसाद, डीएसडब्ल्यू डॉ. पवनेश कुमार व डॉ. शिरीष मिश्रा के साथ वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि यह एक नया और उभरता हुआ विश्वविद्यालय है। इसे आकार देने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ–साथ शिक्षकों, विद्यार्थियों और स्थानीय निवासियों को मिल–जुलकर प्रयास करना होगा। शुभकामना देते हुए कहा कि मेरी कामना है कि बहुत जल्द यह विश्वविद्यालय देश के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में अपनी गिनती कराए और अगली बार जब मुझे यहां आने का सौभाग्य मिले तो यह विश्वविद्यालय खूब हरा–भरा और समृद्ध दिखे।

दीक्षारंभ समारोह में बोले प्रो. अनिल शुक्ला – टॉपर बनाना नहीं, सीखना–सीखाना महत्वपूर्ण

(कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने की अध्यक्षता रुहेलखंड विवि, बरेली के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला रहे मुख्य अतिथि)

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में 5 नये विभागों संस्कृत, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, मीडिया अध्ययन, गांधी और शांति अध्ययन व शिक्षाशास्त्र के विद्यार्थियों के लिए बुधवार को दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। जबकि केविवि के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. शुक्ला अपने संबोधन में कहा कि हमारे परिवेश में ऐसी स्थितियां–परिस्थितियां नहीं हैं कि हम अपने मस्तिष्क का पूरी तरह से प्रयोग कर सकें। अगर हम अपने मस्तिष्क का 100 प्रतिशत उपयोग करने लगे तो हम भी ईश्वर जैसे हो जाएंगे। विश्वविद्यालयी अध्ययन–अध्यापन के बारे में कहा कि शिक्षा का उद्देश्य अच्छे संस्कार वाला मनुष्य बनाना है न कि सिर्फ अच्छी तनख्वाह पाने वाला वेतनभोगी बनाना। शिक्षा का अर्थ है मनुष्य के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाना। विश्वविद्यालयों को डिग्री अवार्ड करने वाली मशीन की तरह काम नहीं करना चाहिए और न ही दीक्षांत के माध्यम से टॉपर पैदा करना चाहिए। आगे कहा कि कक्षा में प्रथम आना महत्वपूर्ण नहीं है, सीखना–सीखाना महत्वपूर्ण है। प्रथम स्थान प्राप्त करने के नजरिये को बदलना होगा और सीखने की ओर बढ़ना होगा।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में केविवि के कुलपति प्रो. शर्मा ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप विश्वविद्यालय परिवार में आ चुके हैं। विश्वविद्यालय में विभिन्न अवसरों पर और विभिन्न व्यवस्थाओं के माध्यम से निरंतर हम सबकी मुलाकात होती रहेगी। आप अपनी समस्याओं के समाधान के लिए या किसी सुझाव के लिए अपने शिक्षकों या संबंधित विषय में प्रशासनिक दायित्व संभाल रहे व्यक्ति से मिल सकते हैं। मुख्य अतिथि के रुप में विद्यार्थियों के बीच पधारे रुहेलखंड विवि, बरेली के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला की प्रशसा करते हुए कहा कि प्रो. शुक्ला शिक्षाशास्त्र के विद्वान हैं। आज वे हमारे बीच दीक्षारंभ में संबोधन के लिए आए हैं। आगे हमारा प्रयास होगा कि वे विद्यार्थियों के लिए विशेष रुप से आएं और किसी विषय विशेष पर अपना व्याख्यान दें। इससे पूर्व अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. पवनेश कुमार ने अतिथियों और उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों का स्वागत करते हुए अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बताया। विवि के भौतिक विज्ञान संकाय के नवनियुक्त अधिष्ठाता और परीक्षा नियंत्रक प्रो. अजय कुमार गुप्ता, पुस्तकालय प्रभारी डॉ. सुनील कुमार श्रीवास्तव, कुलानुशासक डॉ. बृजेश पाण्डेय, प्रोवोस्ट डॉ. रफीक उल इस्लाम ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया और अपने–अपने विभागों से विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं और अनुशासन के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अल्का लल्हाल ने किया। राष्ट्रगान के उपरांत कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, गैर शैक्षणिक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्साहपूर्वक मनाई गयी विनोबा भावे जयंती

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में प्रति कुलपति प्रो. अनिल कुमार राय की अध्यक्षता में उत्साहपूर्वक विनोबा भावे जयंती मनाई गयी। इस अवसर पर मीडिया अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. अरुण भगत ने बतौर मुख्य वक्ता अपने संबोधन में विनोबा भावे के कार्यों का उल्लेख करते हुए आपातकाल को लेकर उनके प्रतिक्रिया की चर्चा की। विनोबा भावे द्वारा चलाए गये भूदान आंदोलन के बारे में बताते हुए उन्हें गाँधी जी का अनन्य सहयोगी बताया। आपातकाल के दौर में जब इंदिरा गाँधी विनोबा जी से मिलने पहुंची तो वह मौन व्रत धारण किये हुए थे। विनोबा जी ने प्रश्नवाचक चिन्ह के साथ 'अनुशासन पर्व' लिखकर इंदिरा जी के सामने रख दिया। यह आपातकाल को लेकर एक सवाल था, जिसे इंदिरा गाँधी ने अपने पक्ष में करके प्रचारित किया और विनोबा जी को लोगों की आलोचना झेलनी पड़ी। प्रो. आशीष श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि विनोबा भावे ने शिक्षा को लेकर कहा था कि आजादी के समय यदि मुझे दायित्व दिया गया होता तो मैं आजादी के तुरंत बाद पूरे देश में कहता कि बच्चों जाओ तुम्हारी तीन महीने की छुट्टी। इसके बाद समाज के बड़े और परिपक्व लोग बैठकर चिंतन मनन करते और भारत की विविधता के हिसाब से अपनी शैक्षणिक नीति निर्माण करते व शिक्षा को लेकर दूरदर्शी योजना बनाते। प्रो. श्रीवास्तव ने विनोबा जी को पाश्चात्य संस्कारों के अंधानुकरण का घोर विरोधी बताया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रति कुलपति ने विनोबा भावे को गाँधी जी का उत्तराधिकारी बताते हुए उनके द्वारा चलाए गये भूदान आंदोलन और मैत्री पत्रिका के बारे में विस्तार से बताया। प्रो. राय ने कहा कि हर व्यक्ति के अंदर अच्छाई और बुराई दोनों तत्व मौजूद है। अच्छाई का विस्तार करने और दूसरों को भी अच्छा बनाने की आवश्यकता है। अपने अंदर के विनोबा तत्व को विकसित करना और दूसरों को इसके लिए प्रेरित करना जरुरी है। इसी में हमारे जीवन की सार्थकता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने विवि में विनोबा भावे जयंती के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विनोबा जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को सभी के लिए अनुकरणीय बताया। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. पवनेश कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। समाज शास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. दिनेश व्यास ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्रो. राम लाल बगड़िया समेत बड़ी संख्या में शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रसायन विभाग द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन और पुष्पार्पण के साथ हुआ। फिजिकल साइंसेज के संकायाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार गुप्ता और रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. देवदत्त चतुर्वेदी ने दिल्ली विश्वविद्यालय से आए प्रो. अशोक कुमार प्रसाद को शॉल व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। प्रो. प्रसाद ने शुगर एज प्रीकरसर्स फॉर नॉवेल मोलेकुल्स ऑफ इम्पोर्टेंट एप्लीकेशन्स के बारे में चर्चा की। उन्होंने कार्बोहाइड्रेट के विभिन्न उपयोगों जैसे क्राउन ईथर और माइलेसी के निर्माण की जानकारी दी, जो कि भविष्य में बायोमेडिकल विज्ञान में उपयोग किया जा सकता है। प्रो. प्रसाद का कार्बोहाइड्रेट केमिस्ट्री में विश्व पटल पर बहुत बड़ा योगदान रहा है। कार्यक्रम में रसायन विभाग के सह–प्राध्यापक डॉ. रफीक उल इस्लाम, सहायक प्राध्यापक डॉ. रजनीश तिवारी, डॉ. अनिल कुमार सिंह और डॉ. उत्तम कुमार दास, डॉ. सुनील कुमार श्रीवास्तव, डॉ. पवन कुमार एवं डॉ. पाल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ पूरे व्याख्यान को सुना और सवाल भी पूछा। कार्यक्रम का समापन प्रो. प्रसाद को स्मृति चिन्ह भेंट करके की गयी। डॉ. अनिल कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

25 अगस्त को इंदौर में आयोजित पुरस्कार समारोह में कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए 'नेशनल एक्सेलेंस अवॉर्ड 2019' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लदंन और ALMA द्वारा प्रदान किया गया, जो गत 19 वर्षों से शिक्षा तथा सामाजिक हित में कार्यरत प्रमुख संगठनों में से एक है।

यूजीसी–एमएचआरडी ने किया
स्वच्छता रैंकिंग सर्वे
तीन–सदस्यीय दल का कुलपति व प्रति कुलपति ने किया स्वागत

किया। इसके पश्चात प्रति कुलपति प्रो. राय के नेतृत्व में अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. पवनेश कुमार, डॉ. शिरीष मिश्रा, राम लाल बगड़िया, शेफालिका मिश्रा और अजीत कुमार की टीम ने यूजीसी–एमएचआरडी के सदस्यों को कुलपति कार्यालय, संकाय कक्षों, कम्प्यूटर लैब, विद्यार्थियों की कक्षाओं, संस्कृति संकुल आदि स्थानों का मुआयना कराया। इसके बाद प्रति कुलपति ने एनएसएस से जुड़े विद्यार्थियों के एक समूह के साथ यूजीसी की टीम का परिचय कराया और टीम ने विद्यार्थियों से संवाद किया। प्रो. आर. सी. ठाकरान ने विद्यार्थियो को संबोधित करते हुए कहा कि हम जहां रहते हैं, जहां पढ़ते हैं या कार्य करते हैं वह स्थान साफ–सुथरा होना चाहिए। हमारा शरीर भी स्वच्छ होना चाहिए और शरीर के साथ–साथ मन और विचार भी स्वच्छ होना चाहिए। इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. राय ने भी विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करते हुए प्रो. ठाकरान की अगुवाई में आई टीम को विश्वविद्यालय में चल रही स्वच्छता संबंधी गतिविधियों के बारे में संक्षेप में बताया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दिग्विजय फूकन, डॉ. कुन्दन किशोर रजक और डॉ. अमिताभ ज्ञान रंजन आदि शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उत्साहपूर्वक आयोजित हुआ फिट इंडिया अभियान

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में फिट इंडिया अभियान की शुरुआत उत्साहजनक माहौल में हुई। प्रतिकुलपति प्रो. अनिल कुमार राय के नेतृत्व व ओएसडी प्रो. पद्माकर मिश्र और डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. ज्वाला प्रसाद की मौजूदगी में बड़ी संख्या में अध्यापकों, शिक्षकों और गैर शैक्षणिक अधिकारियों–कर्मचारियों ने इस अभियान में भागीदारी की। कार्यक्रम के प्रथम चरण में, प्रातः 6.30 बजे विश्वविद्यालय के जिला स्कूल स्थित परिसर में विद्यार्थियों को विशेषज्ञों की निगरानी में व्यायाम कराया गया और स्वस्थ रहने के तमाम कायदे बताये गये। इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. राय ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों, अध्यापकों व गैर शैक्षणिक अधिकारियों–कर्मचारियों को अच्छे स्वास्थ्य का महत्व बताया और व्यायाम को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इसके बाद विद्यार्थियों की टीम ने स्वास्थ्य संबंधी नारे लिखे तख्तियों और बैनर के साथ जिला स्कूल से गांधी संग्रहालय तक पद यात्रा की और पुनः विश्वविद्यालय वापस आए।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण मे प्रातः 10 बजे से संगोष्ठी कक्ष में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा फिट इंडिया अभियान के शुभारंभ का सीधा प्रसारण दिखाया गया इस अवसर पर प्रो. राय ने उपस्थित लोगों विशेषतः विद्यार्थियों से जीवन में अनुशासन बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने पानी पीने और सांस लेने के तरीके पर चर्चा करते हुए स्वस्थ रहने के कई उपाय बताए। कार्यक्रम के संयोजक का दायित्व समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिनेश व्यास व सह संयोजक का दायित्व अर्थशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर राम लाल बगड़िया ने निभाया।

विद्यार्थियों से यूजीसी अधिकारियों ने किया संवाद

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में यूजीसी–एमएचआरडी की तरफ से तीन सदस्यीय दल ने वर्ष 2019 का स्वच्छता रैंकिंग सर्वे किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रो. आर. सी. ठाकरान के नेतृत्व में पूर्वोत्तर–पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग के प्रति कुलपति प्रो. जी. सिंघैया व राजस्थान विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. आर. वी. सिंह की टीम शुक्रवार को प्रातः 9 बजे विश्वविद्यालय के जिला स्कूल स्थित अस्थायी परिसर में पहुंची। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा व प्रति कुलपति प्रो. अनिल कुमार राय ने शॉल व स्मृति चिन्ह देकर टीम का स्वागत

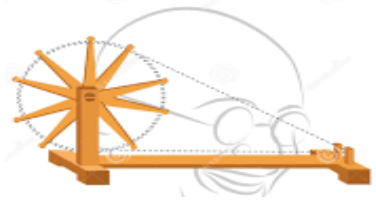

नये भवन में स्थानांतरित हुए 5 विभाग

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के 5 विभाग चांदमारी चौक के निकट स्थित नये भवन में स्थानांतरित हो गये हैं। प्रबंधन विज्ञान विभाग, वाणिज्य विभाग, मीडिया अध्ययन विभाग, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग और शिक्षाशास्त्र को मिलाकर कुल 5 विभागों के स्थानांतरण का कार्य 3 अक्टूबर गुरुवार को दोपहर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा द्वारा विधिपूर्वक पूरा हुआ। इस अवसर पर कुलपति प्रो. शर्मा ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थियों और शिक्षकों को अध्ययन–अध्यापन में कक्षाओं और अन्य संसाधनों की कमी न हो इसके लिए विवि प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में आज इस नये भवन में इन 5 विभागों का स्थानांतरण अस्थायी रुप से किया जा रहा है। इसके साथ ही हम अपने स्थायी भूमि और भवन को प्राप्त करने की दिशा में भी प्रयासरत हैं। अपने शिक्षकों की ऊर्जा व सहयोग की चर्चा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों और शिक्षकों को आगे भी किसी प्रकार की समस्या न हो, विवि प्रशासन इस बात का पूरा ध्यान रख रहा है। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी– प्रशासन, प्रो. पद्माकर मिश्र, उप कुलसचिव, डॉ. ज्वाला प्रसाद, वित्त सलाहकार, रामप्रवेश ठाकुर, प्रो. अरुण कुमार भगत, (अध्यक्ष, मीडिया अध्ययन विभाग), डॉ. पवनेश कुमार, (अध्यक्ष, प्रबंधन विज्ञान विभाग), डॉ. शिरिष मिश्रा, (अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग), प्रो. आशीष श्रीवास्तव, (अध्यक्ष, शिक्षा शास्त्र विभाग), डॉ. शिवाराम राव, (अध्यक्ष, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग), डॉ. परमात्मा कुमार मिश्रा, डॉ. साकेत रमन, डॉ. भवनाथ पाण्डेय, डॉ. पी. ओंकार, डॉ. दिनेश व्यास, रामलाल बगाड़िया आदि शिक्षक, जनसंपर्क अधिकारी, शेफालिका मिश्रा, सेक्शन ऑफिसर, दिनेश हुड्डा आदि गैर–शैक्षणिक अधिकारी, कर्मचारी व बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस पर विद्यार्थियों से सत्संगत का किया आह्वाहन

प्रो. राम मोहन पाठक, प्रो. सुधीर प्रताप सिंह और प्रो. जय प्रकाश रहे वक्ता, प्रति कुलपति रहे विशिष्ट अतिथि

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 5 सितम्बर गुरुवार को शिक्षक दिवस एवं राजभाषा पखवाड़ा समारोह का आयोजन किया गया। केविवि कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। दक्षिण हिंदी प्रचारिणी सभा के कुलपति प्रो. राम मोहन पाठक, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. सुधीर प्रताप सिंह और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. जय प्रकाश ने बतौर वक्ता कार्यक्रम में सहभागिता की। कि अच्छा होता कि बिना हिंदी दिवस मनाए हिंदी भाषा फलती–फूलती। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. शर्मा ने विद्यार्थियों के साथ–साथ उपस्थित लोगों को शिक्षक दिवस एवं राजभाषा पखवाड़ा की बधाई देते हुए कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि शिक्षक दिवस और राजभाषा पखवाड़ा समारोह जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर हिंदी के कई जाने–माने विद्वान हमारे बीच उपस्थित हैं। भौगोलिक दृष्टि से हमारा विश्वविद्यालय जिस

जबकि केविवि के प्रति कुलपति प्रो. अनिल कुमार राय बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। पंजाब विश्वविद्यालय के प्रो. जयप्रकाश ने अपने संबोधन में कार्यक्रम के शुरुआत में हुए दीप प्रज्वलन की जिक्र करते हुए कहा कि ये दीप प्रज्वलन आने वाले दिन का मंगलाचरण है। राजभाषा पखवाड़ा के बारे में कहा क्षेत्र में है वहां इस तरह के विद्वान अपनी व्यस्तताओं के कारण प्रायः कम आते हैं किंतु आज सौभाग्य की बात है कि हिंदी के इन विद्वानों का वक्तव्य हमें सुनने को मिल रहा है। शिक्षक दिवस की चर्चा करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षकों का सम्मान करने और अच्छे लोगों की संगत में रहकर उनके गुणों को सीखने का आह्वान किया।

प्रो. पाठक ने अपने वक्तव्य में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्मरण करते हुए कबीरदास के गुरु–गोविंद संबधी दोहे की चर्चा की। शिक्षा का उद्देश्य बताते हुए सर्वसमावेशी होने की बात की। प्रो. सुधीर प्रताप सिंह ने उपस्थित लोगों को शिक्षक दिवस और राजभाषा पखवाड़ा की बधाई दी। कहा कि हिंदी भाषा की दुर्दशा के लिए मीडिया भी जिम्मेदार है। जैसे–जैसे मीडिया सशक्त होती गयी वैसे–वैसे हिंदी भाषा में विकृति आ गयी। आज न हिंदी ठीक लिखी जा रही है और ना ही अंग्रेजी। प्रति कुलपति प्रो. अनिल कुमार राय ने बतौर विशिष्ट वक्ता अपने संबोधन में शिक्षक दिवस और राजभाषा पखवाड़ा समारोह एक साथ आयोजित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने हिंदी के उत्थान के लिए महात्मा गाँधी द्वारा किये गये प्रयासों का जिक्र किया। आगे कहा कि गाँधी जी अहिंदी भाषी क्षेत्र के थे लेकिन देश को आजाद कराने में उन्होंने हिंदी भाषा का प्रयोग किया। प्रो. राय ने हिंदी को राष्ट्रीय एकता के लिए जरुरी बताया। सभी वक्ताओं ने दैनिक जीवन में हिंदी भाषा के प्रयोग और कार्यालयीन कार्यों में हिंदी को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद मीणा ने किया और अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. पवनेश कुमार ने सम्मानित वक्ताओं, अतिथियों, शिक्षकों और सभागार में उपस्थित विद्यार्थियों व गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर उप–कुलसचिव डॉ. ज्वाला प्रसाद समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थी और शिक्षक मौजूद रहे।

गाँधी जयंती पर 'नूतन परिप्रेक्ष्य में महात्मा गाँधी' विषयक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. रवीन्द्र कुमार, पूर्व कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, पूर्व कार्यकारी कुलपति प्रो. कृष्णमुरारी मिश्र, अलीगढ़ मुस्लिम विवि बतौर विशिष्ट अतिथि रहे मौजूद, कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने की अध्यक्षता

भारतीय अर्थव्यवस्था में नई प्रवृत्तियां विषय पर व्याख्यान

महात्मा गाँधी भारत की आत्मा– प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'भारतीय अर्थव्यवस्था में नई प्रवृत्तियां' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में केविवि के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी को अर्थशास्त्र का जाना–माना विद्वान बताते हुए विद्यार्थियों से इस विशेष व्याख्यान का लाभ उठाने का आह्वान किया और शुभकामनाएं दी। प्रो. वाजपेयी ने बतौर मुख्य वक्ता अपने संबोधन में अर्थव्यवस्था में नई प्रवृत्तियों की चर्चा करते हुए कहा कि बतौर अर्थशास्त्र के विद्यार्थी नई प्रवृत्तियों में सिर्फ आंकड़ों का अध्ययन करते रहने से अर्थव्यवस्था से लगाव नहीं हो पाता। अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों को अर्थव्यवस्था को ऐसे आत्मसात करना चाहिए जैसे हमारा अपने परिवार के साथ लगाव होता है, तब वे अर्थव्यवस्था के हित और अनहित की बात करने योग्य बन सकेंगे। अर्थव्यवस्था की प्रवृत्ति उच्चावचन में होती रहती हैं। भारत की संस्कृति बचत पर आधारित संस्कृति है। जितने की आवश्यकता हमें होती है उतना हम ग्रहण करते हैं बाकि छोड़ देते हैं समाज के लिए, राष्ट्र के लिए, विश्व और प्रकृति के लिए। यह बात मैं नहीं कह रहा बल्कि गाँधी जी कहते थे। गाँधी जी का सिद्धांत था कि प्रकृति हमारी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सबकुछ प्रदान कर सकती है लेकिन हमारी लालच को पूरा करने के लिए इसके पास संसाधन नहीं हैं। आगे कहा कि हम महात्मा गाँधी की 150 वीं जयंती मना रहे हैं, हमें भारत वर्ष के अर्थशास्त्र को समझना है तो हमें गाँधी जी का स्मरण करना होगा। हमें भारतवर्ष की राजनीति, प्रशासन, पर्यावरण, विदेश नीति, हिंदी एवं अन्य भाषाओं, गांव और धर्म को समझना है तो हमें गाँधी जी को याद करना होगा। गाँधी भारतवर्ष की आत्मा हैं। गाँधी जी को हम न सिर्फ स्मरण में रखें बल्कि एक अर्थशास्त्री और समाजशास्त्री के तौर पर उनका अनुशीलन करें। इससे पूर्व अपने स्वागत वक्तव्य में अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. पवनेश कुमार ने प्रो. वाजपेयी व कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. शर्मा समेत सभागार में उपस्थित लोगों का स्वागत किया। प्रो. वाजपेयी का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी अकादमिक व प्रशासनिक उपलब्धियों को रेखांकित भी किया। कार्यक्रम का संचालन अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. श्रीधर सत्यकाम ने किया जबकि अर्थशास्त्र विभाग के ही सहायक प्राध्यापक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता डॉ. सरिता तिवारी, सहायक प्राध्यापक डॉ. दिनेश व्यास, डॉ. ओम प्रकाश गुप्ता, डॉ. पंकज कुमार सिंह, डॉ. शिवेन्द्र सिंह, डॉ. दिग्विजय फूकन समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अध्यापक व गैर शैक्षणिक अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे।

गांधी जयंती के अवसर पर रंगोली का अवलोकन करते कुलपति एवं विशिष्ट जन

प्रो. संजीव कुमार शर्मा–

जनता ही लोकतंत्र का प्रहरी

राजनीति विज्ञान विभाग में व्याख्यान

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में 'भारत में लोकतंत्र का उदभव' विषय पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने विशेष व्याख्यान दिया। भारत में लोकतंत्र के संदर्भ में सन् 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की चर्चा करते हुए कहा कि पूरे राष्ट्रीय आंदोलन को देखना शुरु किया जाए और उसमें 1857 को देखा जाए तो ये जरुर लगता है कि वर्षों तक पराधीनता में रहने के बाद भारतवर्ष में सन् 1857 के आंदोलन के रुप में एक सामूहिक चिंगारी अवश्य प्रज्वलित हुई। इसीलिए वह आंदोलन भारत के पूरे राष्ट्रीय आंदोलन की पृष्ठभूमि बनता है।

प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने भारत में लोकतंत्र की विकास यात्रा पर चर्चा करते हुए पंडित जवाहर लाल नेहरु के कार्यकाल से लेकर इंदिरा गांधी के कार्यकाल को रेखांकित किया और वर्तमान समय में आमजन की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के बारे में बताया। उन्होंने आम जनता को लोकतंत्र का प्रहरी बताते हुए कहा कि भारत के लोकतंत्र को बचाने में हमारा–आपका योगदान तो है लेकिन उससे अधिक उस व्यक्ति का, उस नागरिक का योगदान है जिसे भारत के संविधान के बारे में कुछ पता नहीं है। जो परंपरा से मानता है कि मुझे अपनी बात कहने का अधिकार है और उस कहने के अधिकार को वह किसी ना किसी माध्यम से पकड़ लेता है। पहले वह बैलेट पेपर पकड़ता था, अब वह ईवीएम मशीन का बटन दबाता है। वह इस अधिकार से इतना प्रेम करता है कि आप उसे बहका नहीं सकते। आप उसे डरा नहीं सकते। आप उसे पैसे देकर कुछ देर के लिए भ्रम में रख सकते हैं, लेकिन वह इतना समझदार हो गया है कि आपको भ्रम में रख सकता है, वह राजनीतिक दलों को भ्रम में रख सकता है। वह मीडिया और राजनीतिक विश्लेषकों को भी भ्रम में रख सकता है। भारत का आम मतदाता हमेशा एक संदेश देता है। वह एक संदेश तय किया होता है। वह राजनेताओं को अपने संदेश से अवगत करा देता है। वह किसी को भी अपराजेय नहीं करता है। कोई ये नहीं कह सकता है कि उसे हराया नहीं जा सकता है, कोई बड़े से बड़ा राजनेता ऐसा नहीं हुआ है। किसी को भी वह दिन दिखा सकता है। इसीलिए उनके अहंकार को वह मर्यादित नियंत्रण भी कर रहा है। अपने समेकित स्वरों को संदेश में भी परिवर्तित कर रहा है। सूचनाएं भी दे रहा है। वह भारतीय राजनेताओं को बताना चाहता है कि उसकी अपेक्षाएं क्या हैं। उसकी अपेक्षाएं रोज बढ़ रही हैं। संचार क्रांति की वजह से आम लोगों ने संसार देख लिया है, उनकी आँखों में अब वही सपने हैं, वही आकांक्षाएं हैं कि जो अच्छा है वह मुझ तक भी पहुंचे। हम भी देखें उसको। सड़कें हमारी भी अच्छी हों, बिजली हमें भी मिले। हमारे यहां भी स्वास्थ्य सुविधाएं हों। जो नगरीकरण ने, आधुनिकीकरण ने, वैश्विकरण ने हमें बदला है, रुपांतरित किया है, परिवर्तित किया है वह परिवर्तन हमारे यहां भी हो। उसके लिए जो भी जिम्मेदार हों वे करें। इसके लिए हम कुछ भी करने को तैयार हैं। हम आपका साथ देने को तैयार हैं। हम आपको बड़े से बड़ा बहुमत, अकल्पनीय बहुमत देने को तैयार हैं। इस इच्छा, आकांक्षा और अभिलाषा के साथ राज्यों में बहुमत दे रहे हैं और केंद्र में भी बहुमत दे रहे हैं कि हमारे विकास के सपने पूरे होंगे। व्याख्यान सत्र की अध्यक्षता समाज विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता डॉ. सरिता तिवारी ने की। राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री ओम प्रकाश ने धन्यवाद ज्ञापन किया। व्याख्यान कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों सुधांशु और अजीत ने किया।

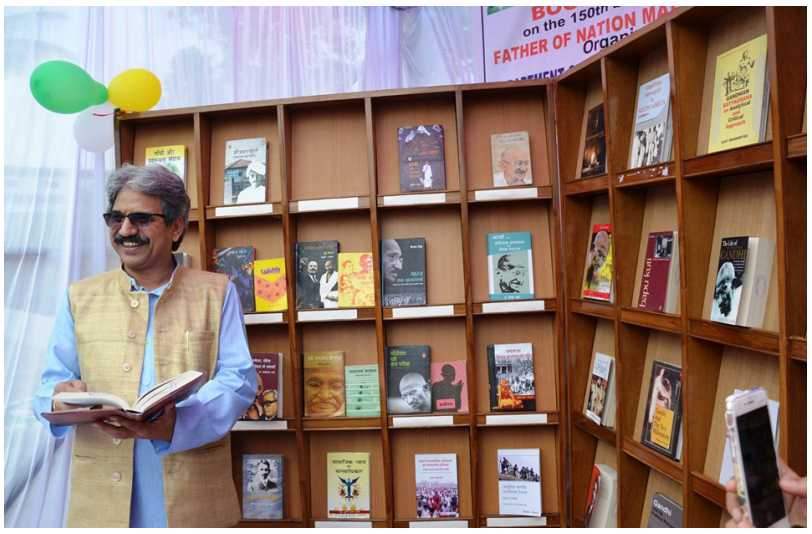

गांधी जयंती के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी कार्यक्रमों का आयोजन हुआ

अगस्त क्रांति दिवस पर क्विज का आयोजन

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 9 अगस्त को अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर एक क्विज का आयोजन किया गया। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. पवनेश कुमार के निर्देश पर आदित्य राज, हर्षवर्धन सिंह, विकास कुमार उपाध्याय और अवनीश कुमार आदि विद्यार्थियों ने मिल–जुलकर इस प्रतियोगिता का आयोजन किया। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कार्यालय की निगरानी में हुए इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भागीदारी की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों द्वारा इस प्रतियोगिता के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

मीडिया स्टडीज विभाग द्वारा आयोजित विद्यार्थी उन्मुखीकरण समारोह की तस्वीरें

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना के तहत

प्रतिकुलपति गये सिंगापुर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की प्रतिष्ठित कार्य योजना 'शिक्षाविद नेतृत्व कार्यक्रम–लीप' के तहत विशेष प्रशिक्षण के लिए महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. अनिल कुमार राय का चयन किया गया । लीडरशीप फॉर एकेडमिशियन प्रोग्राम में सहभागिता करने के लिए प्रो. राय 6 अक्टूबर 2019 को सिंगापुर पहुंचे। काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के संयोजन में उक्त कार्यक्रम 23 सितंबर 2019 से 12 अक्टूबर 2019 के दौरान संचालित होना था। 'लीप' पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग कार्यक्रम के तहत भारत सरकार का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इसके तहत चयनित वरिष्ठ शिक्षाविदों को सार्वजनिक वित्त पोषित उच्च शिक्षा संस्थानों में शैक्षणिक नेतृत्व के लिए तीन सप्ताह का उच्च स्तरीय विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके तहत 2 सप्ताह का प्रशिक्षण भारत में व एक सप्ताह का विदेश में प्रशिक्षण होता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य

अकादमिक प्रमुखों को तैयार करना है जो भविष्य में शैक्षणिक संस्थानों में अग्रणी नेतृत्व प्रदान करने की भूमिका निभाने की क्षमता रखेंगे। 'लीप' कार्यक्रम के तहत प्रो. राय ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में दो सप्ताह का घरेलू प्रशिक्षण प्राप्त किया। तत्पश्चात 08 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक सिंगापुर के नन्यांग टेक्नॉलॉजिकल यूनिवर्सिटी में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया।

स्वच्छता को बनाएं संस्कार : कुलपति

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृति संकुल में कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा के नेतृत्व में शुक्रवार को प्रातः 11 बजे से स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ ली। 11 सितंबर से 02 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. पवनेश कुमार ने विद्यार्थियों को हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के संकल्प को चरितार्थ करने की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण में न खुद गंदगी करने और न ही दूसरों को गंदगी करने देने की बात शामिल थी। शपथ में यह भी कहा गया कि मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा। इस अवसर पर अपने संबोधन में कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि हमें प्रत्येक समय और प्रत्येक स्थान को स्वच्छ रखना है। अपनी व्यवस्था और पूरे व्यवहार में स्वच्छता का ध्यान रखना है। अपने कपड़े को, अपने विभाग को, कार्यक्षेत्र, विश्वविद्यालय और सम्पूर्ण वातावरण को स्वच्छ रखना हम सभी का दायित्व है। गुजारिश है कि आप सभी इस विचार को सदैव अपने साथ रखें। इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. अनिल कुमार राय, डॉ. पवनेश कुमार प्रो. राजीव समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रतियोगिता

गांधीजी की 150वीं जयंती समारोह

गांधीमय हुआ विश्वविद्यालय

गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित प्रार्थना सभा

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में गांधीजी की 150वीं जयंती पर साहित्यिक–सांस्कृतिक, खेल–कूद आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित इन प्रतियोगिताओं में महात्मा गांधी पर पुस्तक प्रदर्शनी, रंगोली, पोस्टर निर्माण, सांस्कृतिक संध्या, खादी फैशन शो, प्रश्नोत्तरी, भाषण प्रतियोगिता, केविवि पर डाक्यूमेंट्री, प्लास्टिक मुक्त भारत विषय पर प्रदर्शनी, कवि सम्मेलन, साहित्यिक गतिविधि, कोलाज निर्माण प्रतियोगिता व क्रिकेट मैच शामिल रहा। लाइफ साइंस संकाय के अधिष्ठाता, प्रो. आनंद प्रकाश आयोजन समिति के अध्यक्ष थे जबकि अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. पवनेश कुमार आयोजन समिति के नोडल ऑफिसर नियुक्त किये गये थे। विद्यार्थी इन प्रतियोगिताओं की तैयारी में जोर–शोर से लगे रहे। गांधीजी की जंयती पर आयोजित इस आयोजन को लेकर पूरे विश्वविद्यालय में उत्साह का माहौल बना रहा।

सत्रारंभ कार्यक्रम में बोले कुलपति : विद्यार्थियों, शिक्षकों व प्रशासन में सहज संवाद जरूरी

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 1 अगस्त सत्रारंभ कार्यक्रम आयोजित हुआ । सत्रारंभ की विधिवत शुरुआत कार्यक्रम के अध्यक्ष व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा व मुख्य अतिथि, बापूधाम मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी के सीईओ संदीप अंटील ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों के साथ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके और पुष्प अर्पित करके किया।

अध्यक्षीय संबोधन में विद्यार्थियों को उत्साहित करते हुए कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि जिस संस्था से हम शिक्षा की सबसे बड़ी उपाधि प्राप्त करते हैं, उसे हम हमेशा याद रखते हैं। विश्वविद्यालय के आगे की योजना के बारे में कहा कि मुझे उम्मीद है कि 2019 में ही हम अपनी जमीन पर कुछ न कुछ शैक्षणिक कार्य जरुर शुरु कर देंगे। हम इस दिशा में भी कोशिश कर रहे हैं कि हमें शहर में ही कुछ बिल्डिंग मिल जाए, ताकी थोड़े–थोड़े विभाग अलग–अलग जगहों पर चले जाएं। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपको जहां लगे कि इस क्षेत्र में इस तरह के प्रयास किये जा सकते हैं, कुछ बेहतर किया जा सकता है। आप अपने विचार अपने शिक्षकों तक अवश्य पहुंचाएं, नियमित, निसंकोच और निर्भीक होकर पहुंचाएं। इस विश्वविद्यालय में शिक्षकों, कर्मचारियों, प्रशासनिक अधिकारियों व विद्यार्थियों में सामान्य, सहज और स्वाभाविक संवाद बने, ये मेरी अपेक्षा है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपने शिक्षकों के साथ परिश्रम कीजिये जिससे आपका जो समय यहां बीते वह लाभकारी हो, सार्थक हो और आपके मन को संतोष प्रदान करें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संदीप अंटील ने विद्यार्थियो को संबोधित करते हुए कहा कि आप सपने खूब देखिये, खुली आंखों से देखिये। खुली आंखों वाले जो सपने होते हैं वे आपको सोने नहीं देते। आप एक बार सपना देख लिजीये कि मुझे कहां जाना है, क्या बनना है और उस दिशा में परिश्रम कीजिये। सपनों को अपनी आदत बना लिजिये। जिस काम में मजा आए वही काम कीजिये। जिस काम में मजा न आए वह बोझ बन जाएगा। विश्वविद्यालय के इन 4–5 वर्षों में आप खूब परिश्रम कीजिये, इसका फल आपको आजीवन मिलेगा। अपने मां–बाप व बड़े–बुजुर्गों का आर्शीवाद लेते रहिए, उनका सम्मान कीजिये। मां–बाप के आशीर्वाद के बिना कुछ भी हासिल नहीं हो सकता। अपने अध्यापकों की आज्ञा मानिये। वे कभी आपका बुरा नहीं सोचते। इससे पूर्व स्वागत वक्तव्य में विवि के अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. पवनेश कुमार ने कार्यक्रम के अध्यक्ष, अतिथि, विद्यार्थियों, अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व मीडियाकर्मियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय सीमित संसाधनों में चल रहा है इसके बावजूद विवि के कुलपति प्रो. शर्मा के नेतृत्व में हम हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा विद्यार्थियों के हित से जुड़े तथ्यों को उन्होंने संक्षेप में बताया। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के प्रमुख प्रो. आनंद प्रकाश ने अपने संबोधन में कहा कि आईक्यूएसी का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा दी जा रही शिक्षा और सुविधाओं में गुणवत्ता बनाए रखने और बढ़ाने की दिशा में नीति बनाना है। आगे कहा कि हम सभी का सौभाग्य है कि हमारे बीच प्रो. शर्मा के रुप में एक ऊर्जावान कुलपति मौजूद हैं, जिन्होंने बहुत कम समय में विभिन्न समितियां बनाकर विश्वविद्यालय को गति प्रदान कर दी है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को सीबीसीएस, कोर कोर्स, इलेक्टिव कोर्स, ओपन इलेक्टिव कोर्स व कक्षा में आवश्यक उपस्थिति के बारे में बताया। कुलानुशासक डॉ. बृजेश पाण्डेय ने विद्यार्थियों को अनुशासन बनाए रखने और करियर बनाने का आह्वान किया और अनुशासनहीनता की स्थिति में कठोर कार्रवाई करने की बात कही। विवि के प्रोवोस्ट डॉ. रफिक उल इस्लाम ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को छात्रावास के संबंध में जानकारी दी। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में पुस्तकालय के नियमों के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कुन्दन किशोर रजक ने एनएसएस से जुड़ने का आह्वान करते हुए विद्यार्थियों को एक गीत के माध्यम से समाज सेवा से जुड़ने के लिए उत्साहित किया। कार्यक्रम की संचालिका डॉ. अल्का लल्हाल ने कार्यक्रम के अध्यक्ष और विवि के कुलपति प्रो. शर्मा, मुख्य अतिथि संदीप अंटील, उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों, गैर–शैक्षणिक अधिकारियों–कर्मचारियों व मीडियाकर्मियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी–कर्मचारी व मीडियाकर्मी उपस्थित रहे।

फोटो गैलरी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए "डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय प्रतिष्ठित शिक्षाविद पुरस्कार 2019" से नई दिल्ली में सम्मानित किया गया

बी.टेक विभाग द्वारा आयोजित प्रेरण कार्यक्रम

गांधी जयंती के अवसर पर कविता पाठ

संपादकीय
मुख्य संरक्षक
प्रो संजीव कुमार शर्मा
मार्गदर्शक
प्रो अनिल कुमार राय
प्रधान संपादक
प्रो अरुण कुमार भगत
संपादक
डॉ साकेत रमन

सलाहकार संपादक
डॉ पवनेश कुमार
डॉ प्रशांत कुमार
डॉ अंजनी झा
डॉ परमात्मा कुमार मिश्र
डॉ सुनील घोडके
डॉ उमा यादव
शेफालिका मिश्रा

डिजाइन व लेआउट संपादन
चिन्मयी दास
समाचार संपादन
हरिओम कुमार
नवीन कुमार तिवारी
प्रमुख संवाददाता
रोहिताश कुमार
आदित्य कुमार

मीडिया अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी, बिहार द्वारा शैक्षणिक एवं आंतरिक वितरण हेतु प्रकाशित